''कृषि विकास में महिलाओं का योगदान'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ पर आज **दिनांक 08.03.2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** के अवसर पर **''कृषि विकास में महिलाओं का योगदान''** विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. यशपाल सिंह, ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्धेश्य एवं इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने संस्थान में चल रही विभिन्न कल्याणकारी शोध परियोजनाओं के बारे में भी चर्चा की जिनमें महिलाओं की भागीदारी पर बल दिया। उन्होनें जैविक खेती में महिलाओं की सहभागिता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में महिलाओं के हर क्षेत्र में बढ़ते योगदान के आंकड़ों को दर्शाया गया। कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं के श्रम का अंशदान 43 प्रतिशत है जोकि तमाम विकसित देशो में 70–80 प्रतिशत तक देखा गया है। बुवाई से लेकर भण्डारण तक के कार्यों में महिलाओं का योगदान अति सराहनीय है। एफएओ के एक शोध के अनुसार हिमालय क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं का प्रति हेक्टेअर वार्षिक श्रमनिवेश पुरूषों की तुलना में तीन गुना अधिक है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गेहूँ एवं जौ निदेशालय के आंकड़े दर्शाते है कि चावल मक्का जैसी प्रमुख फसलों में महिला श्रम निवेश 75 प्रतिशत तक है। लगभग 7.5 करोड़ महिलायें दुग्ध उत्पादन एवं पशुधन व्यवसाय में लगी हुई हैं। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. छेदी लाल वर्मा ने नारी एवं सनातन संस्कृति का अर्धनारीश्वर सिद्धांत नारी धर्म का बिंब एवं पुरूष की पूर्णता में नारी का योगदान पर अपने मत व्यक्त किये। सुश्री ममता प्रजापति ने ''खेती की शान–महिला किसान'' पर एक भावपूर्ण कविता का पाठ किया। सुश्री रोली मुखर्जी ने पुष्प एवं सजावटी पौधों के उत्पादन एवं प्रबंधन पर अपने अनुभवों एवं विचारों को साझा किया। इस अवसर पर सुश्री रंजीता देवी जोकि एक प्रगतिशील महिला किसान हैं ने जैविक खेती के अपने अनुभव, लाभ एवं गुणवत्ता युक्त उत्पादन पर अपने विचार एवं अनुभवों को अन्य महिला किसानों के साथ साझा किया। केन्द्र की शोध अध्येता, रूपम साहू ने कृषि विकास में महिलाओं का योगदान पर व्याख्यान दिया।

श्रीमती मन्जू वर्मा ने बागवानी में महिलाओं की भागीदारी पर अपने विचार रखे। श्रीमती वर्मा को बागवानी क्षेत्र में किये गये कार्यों एवं योगदान के लिये अनेकों अनेक बार पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाता रहा है। उनकी उपस्थिति अति प्रेरणादायी रही। नन्दौली, उन्नाव से आयी सुश्री रूपा मौर्या ने महिला सशक्तिकरण एवं कृषि विकास पर अपने विचारों को बड़े प्रभावी ढंग से व्यक्त किया। लखनऊ की श्रीमती सुधा सिंह ने घर की रसोई से निकलने वाले जैविक अपशिष्ट से खाद बनाकर जैविक सब्जी उत्पादन पर बड़ा रोचक अनुभव साझा किया। शहरी क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह एक उत्कृष्ट नमूना साबित हो सकता है जिससे जैव अपशिष्ट प्रबंधन एवं सब्जी उत्पादन एक साथ ''आम के आम गुठलियों के दाम'' को चरित्रार्थ करती दिखी।

अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. संजय अरोरा, प्रधान वैज्ञानिक ने सभी को धन्यवाद किया और आशा की कि आज के परिलेख में महिलायें मृदा सुधार एवं कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर देश में नई हरित क्रांती को जन्म दे सकती हैं तथा अपनी आय को बढ़ा सकती हैं। इस अवसर पर सभी प्रगतिशील महिला किसानों को कृषि विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका एवं योगदान के लिये सम्मानित किया गया एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु केंचुए की खाद एवं कंपोस्ट बनाने के विद्यी के साथ इसे बनाने के लिए वर्मी बेड एवं संस्थान द्वारा विकसित जीवाणुयुक्त डीकंपोजर ''हेलो सी–आर डी'' दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
INTERNATIONAL WOMEN'S DAY
मार्च 8, 2021
कृषि विकास मे महिलाओं का योगदान
भा0 कृ0 अनु0 प0 – केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,
क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ 226002, उ.प्र.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
INTERNATIONAL WOMEN'S DAY
मार्च 8, 2021

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY
मार्च 8, 2021
कृषि विकास में महिलाओं का योगदान
केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्था
अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ 226002, उ.प्र.